भारत-लीबिया सम्बन्ध

2314. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लीबिया से मैत्री, वाणिज्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग आदि से सम्बन्धित शिष्टमंडल भारत कब कब आए और वर्ष 1978 के दौरान ऐसे ही भारतीय शिष्टमंडल ने उस देश का दौरा कब कब किया और उसमें कितने और कौन कौन सदस्य गए ; और

(ख) उस देश के किन किन संस्थाओं और परियोजनाओं में भारतीय काम कर रहे हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री समरेन्द्र कुण्डू) ;

(क) वर्ष 1978 के दौरान लीबिया से भारत की यात्रा पर आये अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के संबंध में ब्यौरा

क्रम सं०	प्रतिनिधिमंडल का स्वरूप	यात्रा का समय
1	चार-सदस्यीय नागर विमानन संबंधी एक प्रतिनिधि मंडल जिसका नेतृत्व लीबियाई नागर विमानन प्राधिकरण के प्रमुख श्री भारी मोहम्मद अबुखाकुक ने किया था ।	फरवरी, 1978
2	डाक्टरों तथा परा-चिकित्सा कर्मचारियों की भर्ती के लिए (लीबियाई सामाजिक सुरक्षा संगठन) आई० एन० ए० एस० से एक प्रतिनिधिमंडल ।	मई, 1978
3	नई दिल्ली में लीबिया के राजदूत महामान्य, डा० मोहम्मद यूसुफ अल-मगरियफ, की अध्यक्षता में लिबिया का एक छः सदस्यीय व्यापार मंडल जिसमें लीबिया के विदेश मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय, उद्योग मंत्रालय, आवास तथा व्यापार मंत्रालय के प्रतिनिधि थे ।	जुलाई, 1978

वर्ष 1978 के दौरान भारत से लीबिया की यात्रा पर गये अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल के संबंध में ब्यौरा

क्रम सं०	प्रतिनिधिमंडल का स्वरूप	यात्रा का समय
1	भारी उद्योग मंत्रालय से अधिकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल श्री नरेश चंद्र, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग मंत्रालय के नेतृत्व में लीबिया गया था जिसमें भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के डा० एम० डी० शुक्ल और भारी उद्योग विभाग के निदेशक श्री एन० मोहंती शामिल थे ।	जून, 1978
2	श्री वी० कृष्णमूर्ति, सचिव, भारी उद्योग विभाग के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने जिसमें भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड के डा० एच०एन० सरन, डा० एम० डी० शुक्ल, भारतीय सड़क निर्माण निगम के अध्यक्ष जनरल बी०एन० दास, भारतीय इस्पात निगम लिमिटेड के अध्यक्ष, श्री वी० जी० वालजेकर तथा राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम के अध्यक्ष श्री पी० पी० धारवाड़कर शामिल थे ।	अगस्त, 1978
3	भारत-लीबिया संयुक्त आयोग की प्रारंभिक बैठक के लिए अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल के श्री वी०कृष्णमूर्ति सचिव, भारी उद्योग विभाग के नेतृत्व में लीबिया की यात्रा की तथा इनके साथ श्री ए० एफ० काउटो, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, श्री बी० के० ग्रोवर, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय तथा आई० डी० बी०	अक्तूबर, 1978

क्रम सं०	प्रतिनिधिमंडल का स्वरूप	यात्रा का समय	क्रम सं०	प्रतिनिधि मंडल का स्वरूप	यात्रा का समय
				आई के, श्री टी० तिवारी सहित लीबिया में कार्यरत सरकारी क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों के मुख्य प्रबन्धक तथा वरिष्ठ प्रतिनिधि भी गये थे ।	
4	भारत की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान लीबियाई पीपुल्स कांग्रेस के प्रधान सचिवालय के सदस्य महामान्य स्टाफ मेजर अब्दुस सलाम जाल्लोद के साथ लीबियाई सरकार का एक प्रतिनिधि मंडल आया था जिसमें लीबिया के योजना मंत्री, श्री मोहम्मद अल जंगुश, विद्युत मंत्री श्री जुमाहअल अर्बास, आवासमंत्री श्री मूसा अब फैथा और लीबियाई सरकार के विभिन्न विभागों के 16 अधिकारी भी शामिल थे ।	जुलाई, 1978	4	स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रतिनिधि मंडल ने श्री एन० एन० वोहरा, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय के नेतृत्व में डा० एस० मुखर्जी, निदेशक के साथ लीबिया की यात्रा की ।	अक्तूबर, 1978
5	लीबिया के योजना मंत्रालय से श्री बशीर एस० सुलेमान, उप योजना मंत्री के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ।	नवम्बर, 1978	5	श्री जार्ज फर्नांडीस, उद्योग मंत्री के नेतृत्व में भारत-लीबियाई संयुक्त आयोग की प्रथम बैठक के लिए एक मंत्रालयी प्रतिनिधि मंडल जिसके साथ श्री वी० कृष्णमूर्ति, सचिव, भारी उद्योग विभाग, श्री ए० एफ० काउटो, संयुक्त सचिव, भारी उद्योग विभाग, श्री वी० के० ग्रोवर, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय, श्री एस० वी० एस० जुनेजा, संयुक्त सचिव, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, श्री पी० सी० जयरामन, संयुक्त निदेशक, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य नागरिक आपूर्ति तथा सहयोग मंत्रालय और भारत के सरकारी तथा गैर-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के मुख्य प्रबंधक तथा वरिष्ठ प्रतिनिधि थे ।	दिसम्बर, 1978

(ख) उन संस्थाओं/परियोजनाओं के नाम जिनमें लीबिया में भारतीय कार्य कर रहे हैं ।

1. लीबियाई स्वास्थ्य मंत्रालय तथा सामाजिक सुरक्षा संगठन ।
2. त्रिपोली तथा बेनगाजी विश्वविद्यालय ।
3. मिसुराटा स्थित इस्पात संयंत्र प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादन श्री मैसर्स दस्तूर एण्ड कम्पनी श्राफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है ।
4. घाट और गाक की हवाई पत्तन योजना जिसका कार्य निष्पादन इन्टरनेशनल एयरपोर्ट्स अथारिटी आफ इंडिया द्वारा किया जा रहा है ।
5. बेनी वालिद की निर्माण प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादन राष्ट्रीय भवन निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है ।
6. त्रिपोली पश्चिम बिजली प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादन भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है ।
7. वाडी घन प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादन कान्टिनेन्टल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है ।
8. ज्लेटेन स्थित सड़क प्रायोजनाएं जिनका कार्य निष्पादन भारतीय सड़क निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है ।
9. ट्रांसमिशन लाइन प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादित कामानी इंजीनियरिंग कार्पोरेशन द्वारा किया जा रहा है ।
10. तेल भंडारण टैंक प्रायोजना जिसका कार्य निष्पादन विजय टैंक्स एण्ड वैसल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है ।
11. कुछ भारतीय श्रमिक स्थानीय लीबियाई और अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों द्वारा शुरू की गई प्रायोजनाओं में काम कर रहे हैं ।
12. उपर्युक्त के अतिरिक्त कुछ इंजीनियर और अन्य प्रकार के विशेषज्ञ लीबियाई सरकार के विभिन्न विभागों/मंत्रालयों में कार्य कर रहे हैं ।

सऊदी अरब से सम्बन्ध

2515. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सऊदी अरब से मंत्री, वाणिज्य, शिक्षा, कृषि और उद्योग से सम्बन्धित शिष्टमंडल भारत कब कब आए और वर्ष 1978 के दौरान ऐसे 4 भारतीय शिष्टमंडल ने उस देश का कब कब दौरा किया और उनमें कितने और कौन कौन सदस्य गए ; और

(ख) उस देश की किन किन संस्थाओं और परियोजनाओं में भारतीय काम कर रहे है ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री समरेन्द्र कुण्डू) :

विदेश मंत्रालय

(क) 1978 में सऊदी अरब से भारत आने वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडलों का विवरण			1978 में भारत से सऊदी अरब जाने वाले सरकारी प्रतिनिधिमंडलों का विवरण ।		
क्रम सं०	प्रतिनिधि मंडल का स्वरूप	यात्रा का समय	क्रम सं०	प्रतिनिधिमंडल का स्वरूप	यात्रा का समय
1	2	3	1	2	3
1	मदीना इस्लामिक विश्वविद्यालय के अध्यापकों एवं छात्रों के 28 सदस्यीय एक दल ने भारत में धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाओं का तीन सप्ताह का दौरा किया ।	फरवरी, 1978	1	श्री एस० महाबुद्दीन, संयुक्त सचिव, विदेश मंत्रालय और श्री मोईउद्दीन हेरिस, अध्यक्ष, हज समिति के एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय हज यात्रियों से संबद्ध समस्याओं के बारे में बातचीत करने के लिए सऊदी अरब की यात्रा की ।	अप्रैल, 1978